

एयर इंडिया ने कम की घरेलू फ्लाइट्स

घरेलू के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर भी उड़ानों की संख्या में कटौती की घोषणा की

नई दिल्ली, 27 मई. टाटा समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया ने विमान इंधन की ऊँची लागत के मद्देनजर घरेलू के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर भी उड़ानों की संख्या में कटौती की घोषणा की है। एयरलाइंस के एक प्रवक्ता ने बताया कि कंपनी ने जून से अगस्त के बीच चुनिंदा मार्गों पर उड़ानों की संख्या कम करने का फैसला किया गया है।



उन्होंने कहा, 'सकल परिचालन पर इंधन की ऊँची लागत के जारी प्रभाव के कारण ये बदलाव किये गये हैं। प्रभावित यात्रियों को दूसरी उड़ानों में बुकिंग, तारीख में बिना शुल्क

बदलाव या पूरा रिफंड लेने के विकल्प दिये जायेंगे। इससे पहले, एयर इंडिया ने जून से अगस्त के बीच अपनी अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की संख्या में करीब 30 प्रतिशत की कटौती की घोषणा की थी। इसमें कुछ मार्गों पर उड़ानें पू

उल्लेखनीय है कि पश्चिम एशिया संकट के कारण अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल का उत्पादन और आपूर्ति प्रभावित होने से विमान इंधन की कीमतों में भारी इजाफा हुआ है। सरकार ने घरेलू विमान सेवा कंपनियों की घरेलू उड़ानों के लिए विमान इंधन की कीमत में एक महीने में अधिकतम 25 प्रतिशत वृद्धि की सीमा तय की है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए ऐसी कोई सीमा तय नहीं की गयी है।

जैसे ही परिस्थितियों में स्थिरता आती है, उड़ानों में कटौती समाप्त की जायेगी।

दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से लुढ़के सूचकांक



मुंबई, 27 मई. वृहत बाजार में लिवाली के बीच एचडीएफसी बैंक तथा दूसरी दिग्गज कंपनियों में बिकवाली से बुधवार को घरेलू शेयर बाजारों में प्रमुख सूचकांकों में गिरावट रही. उत्तर-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद बीएसई का संसेक्स 141.90 अंक (0.19 प्रतिशत) गिरकर 75,867.80 अंक पर बंद हुआ.

बीच कारोबार में यह ऊपर 76,224.68 अंक और नीचे 75,748.21 अंक तक गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 6.55 अंक यानी 0.03 फीसदी उतरकर 23,907.15 अंक पर रहा. दोनों प्रमुख सूचकांक लगातार दूसरे दिन टूट रहे हैं. वृहत बाजार में लिवाली का जोर रहा. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.08 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.15 प्रतिशत ऊपर रहा. बैंकिंग, वित्त, आईटी, एफएमसीजी और तेल एवं गैस समूहों के सूचकांक नीचे बंद हुए जबकि धातु, ऑटो, मीडिया और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों की कंपनियों में लिवाली देखी गयी. एचडीएफसी बैंक का शेयर ढाई फीसदी से ज्यादा टूट गया और संसेक्स की गिरावट में इसका सबसे अधिक योगदान रहा.

आईएमएफएल ने खरीदी ईजी ऊर्जा में हिस्सेदारी

नई दिल्ली, 27 मई. एकीकृत फेरो अलॉयज उत्पादक कंपनी इंडियन मेटल्स एंड फेरो अलॉयज लि. ने मंगलवार को बताया कि उसने ईजी ऊर्जा स्ट्रॉट प्रा. लि. की 26 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है. यह सौदा कुल लगभग 110.18 करोड़ रुपये का बताया गया है. आईएमएफएल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उसने ईजी ऊर्जा स्ट्रॉट के साथ बिजली खरीदने समझौता भी किया है जो 29 साल के लिए है. यह समझौता बिजली अधिनियम, 2003 और बिजली नियम, 2005 के तहत परिभाषित 'कैप्टिव उपभोक्ता' व्यवस्था के अंतर्गत किया गया है. इसके माध्यम से, कंपनी ने अपने फेरो क्रोम कारोबार के लिए 65 मेगा वाट हाइड्रिड नवीकरणीय बिजली का अनुबंध किया है.

200 में जियो का नया ओटीटी पास



मुंबई, 27 मई. अगर आप अलग-अलग ओटीटी ऐप्स के लिए बार-बार रिचार्ज कराने से बचना चाहते हैं, तो जियो एक नया ऑफर लेकर आया है. कंपनी ने 200 का नया जियो ओटीटी पास लॉन्च किया है, जिसमें ग्राहकों को 15 प्रीमियम ओटीटी ऐप्स, 1000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल, 30 जीबी हाई-स्पीड डाटा और अनलिमिटेड 5जी की सुविधा मिलेगी.

1000 से ज्यादा टीवी चैनल और 30 जीबी डाटा
28 दिन तक मिलेगा अनलिमिटेड डाटा और मनोरंजन

पैक की वैधता 28 दिनों की होगी. इस पैक में यूट्यूब प्रीमियम, जियोहॉटस्टार मोबाइल प्लस हॉलीवुड और प्राइम वीडियो मोबाइल एडिशन शामिल हैं. इसके अलावा सोनीलिव, जी5, लायंसगेट प्ले, डिस्कवरी प्लस, सन एनएक्सटी, फैनकोड, कंचा लंका, प्लैनेट मराठी, चौपाल, होइचोइ, टाइम्सप्ले और तरंग प्लस जैसे 12 अतिरिक्त ओटीटी प्लेटफॉर्म को जियोटीवी के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है. ग्राहक जियोटीवी पर 1000 से ज्यादा लाइव टीवी चैनल भी देख सकेंगे. जियो के मुताबिक इसमें स्टार, सोनी, सन टीवी और डिस्कवरी जैसे नेटवर्क के कई मनोरंजन, फिल्म, खेल और क्षेत्रीय चैनल भी शामिल हैं. इस ऑफर का फायदा उठाने के लिए ग्राहकों के पास पहले से एक सक्रिय जियो बेस प्लान होना जरूरी है. इसके बाद ग्राहक मायजियो ऐप, जियो डॉट कॉम, रिटेल स्टोर या दूसरे रिचार्ज ऐप्स के जरिए 200 वाला ओटीटी पास सक्रिय कर सकते हैं.

टाटा संस बोर्ड के सामने स्टार्टअप प्रेजेंटेशन

12 जून को फिर होगी टाटा बैठक
नोएल टाटा ने बढ़ते घाटे और आईपीओ लिस्टिंग पर चिंता जताई



नई दिल्ली, 27 मई. नए जमाने के बिजनेस प्रमुखों ने मंगलवार को टाटा संस के छह सदस्यीय बोर्ड के सामने प्रेजेंटेशन दिए. एअर इंडिया, टाटा डिजिटल और टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भविष्य के नजरिये से समूह के सबसे महत्वाकांक्षी दांवों में से एक हैं, लेकिन अभी घाटे से जूझ रहे हैं.

हालांकि, इस बात का पता नहीं चला है कि बोर्ड बैठक में क्या फैसले लिए गए. इस बैठक में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा भी शामिल हुए. नोएल टाटा ने ही समूह के कुछ कारोबार में हो रहे घाटे को लेकर चिंता जताई थी.

नियुक्ति को लेकर चर्चा हो सकती है. दक्षिण मुंबई स्थित बांबे हाउस में आयोजित इस बैठक में हिस्सा लेकर जब टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन बाहर निकले तो उन्होंने बोर्ड बैठक में लिए गए फैसलों के बारे में मीडिया से कोई बात नहीं की.

माना जा रहा है कि चंद्रशेखर और टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने समूह की कंपनियों के प्रदर्शन से जुड़े मामलों पर चर्चा के लिए कुछ दिनों पहले मुलाकात की थी.

दरअसल, नोएल टाटा टाटा संस में बढ़ते घाटे को लेकर चिंतित हैं. उन नए बिजनेस से हो रहे घाटे को लेकर, जिन्हें एन चंद्रशेखरन ने शुरू किया है. इसमें टाटा डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक्स से जुड़े उद्यम के साथ ही एअर इंडिया शामिल है. नोएल टाटा टाटा संस को आईपीओ के जरिये सुचीबद्ध कराने में हिचकिचा रहे हैं. अभी टाटा संस एक निवेश कंपनी है, जिसे आरबीआइ ने शीर्ष 15 गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों में शामिल किया है और इनका सूचीबद्ध होना जरूरी है. नोएल टाटा के बेटे नोएल टाटा को पहले ही समूह से जुड़े कुछ ट्रस्ट या फाउंडेशन में शामिल किया जा चुका है.

किसानों की मेहनत से बढ़ा कृषि उत्पादन: शिवराज



नई दिल्ली, 27 मई. केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वर्ष 2025-26 के लिए प्रमुख कृषि फसलों के तीसरे अंतिम अनुमान जारी करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों की समृद्धि और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर काम कर रही है, जिसका सकारात्मक परिणाम अब रिपोर्टों में सामने आ रहा है.

देश का कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष के 3577.32 लाख टन की तुलना में लगभग 188 लाख टन यानी 5.3 प्रतिशत अधिक है, जो इतिहास में अब तक का सर्वाधिक उत्पादन है. शिवराज सिंह ने इसके लिए अन्नदाताओं को बधाई दी है. कृषि

शिवराज ने बताया कि फसलवार सारांश के अनुसार कुल खाद्यान्न उत्पादन 3765.63 लाख टन है. इसमें चावल 1540.24 लाख टन, गेहूँ 1206.57 लाख टन और मूका 550.93 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर हैं. अन्य 175.84 लाख टन, गन्ना 35.92 लाख टन, चना 125.14 लाख टन और मसूर 17.62 लाख टन अनुमानित है. इसी तरह, कुल तिलहन उत्पादन 430.59 लाख टन अनुमानित है. इसमें मूंगफली 130.74 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है, सोयाबीन 125.96 लाख टन है और रेपसीड एवं सरसों 137.68 लाख टन के साथ रिकॉर्ड स्तर पर है.

एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी वर्ष 2025-26 के तीसरे अंतिम अनुमान देश के कृषि क्षेत्र की मजबूत प्रगति की तस्वीर पेश करते हैं. चौहान ने कहा कि किसान हैं। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में सरकार खेती को मजबूत करने और किसानों की खुशहाली बढ़ाने के लिए लगातार काम कर रही है और यही वजह है कि कृषि उत्पादन में निरंतर सुधार दर्ज हो रहा है.

45 करोड़ केस में फंसा एचडीएफसी बैंक



नई दिल्ली, 27 मई. एचडीएफसी बैंक में 45 करोड़ के कथित भुगतान को लेकर इंटरनल जांच की खबर सामने आने के बाद शेयरों में गिरावट दर्ज की गई. यह रकम महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को डिफरेंशियल इंटरस्ट के रूप में

कथित तौर पर मार्केटिंग खर्च के जरिए दी गई थी. इस मामले में जांच की जा रही है. भारत के सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी को लेकर एक नई रिपोर्ट सामने आने के बाद शेयर बाजार में हलचल तेज हो गई है. बुधवार को बैंक के शेयर करीब 2% तक टूट गए और इंस्टॉक कारोबार में 761 के स्तर तक पहुंच गए. गिरावट की वजह एक कथित आंतरिक जांच बताई जा रही है, जिसमें 245 करोड़ के भुगतान को लेकर कई गंभीर सवाल उठे हैं.

समाचार विशेष

चीनी मिल चुनाव में चह्वाण की सतर्क रणनीति



सातारा, सातारा और सांगली जिले के सहकार क्षेत्र की अहम मानी जाने वाली यशवंतराव मोहिते कृष्णा सहकारी चीनी मिल के चुनाव में प्रचार तेज हो गया है. चुनावी मुकाबले के बीच अब सबकी नजर पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण और उनके समर्थक कांग्रेस गुट की भूमिका पर टिकी हुई है. राजनीतिक गलियारों में यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या चह्वाण विधानसभा चुनाव में मिली हार का जवाब इस चीनी मिल चुनाव के जरिए देने की रणनीति बना रहे हैं. फिलहाल कृष्णा कारखाना चुनाव में डॉ. सुरेश भोसले के जयवंतराव भोसले सहकार पैनल और पूर्व अध्यक्ष अविनाश मोहिते के कृषिमहर्षी आबासाहेब मोहिते संस्थापक

तमिलनाडु भाजपा में बदलाव के संकेत

शाह से मिलने दिल्ली पहुंचे नैनार नागेंद्रन, अन्नामलाई की वापसी की चर्चा तेज



चेन्नई. हाल में संपन्न हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में एनडीए को मिली हार के बाद बीजेपी की प्रदेश इकाई में बड़े स्तर पर संगठनात्मक बदलाव की चर्चा तेज हो गई है. बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने पार्टी के आंतरिक चर्चाओं में तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई का नाम एक बार फिर से सामने आया है. अन्नामलाई के समर्थक उन्हें राज्य में महत्वपूर्ण संगठनात्मक भूमिका देने पर जोर दे रहे हैं. सूबे में चल रही गतिविधियों के बीच पार्टी नेताओं ने संकेत दिया कि नेतृत्व में बदलाव पर विचार-विमर्श जारी है.

के. अन्नामलाई के नाम की चर्चा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पार्टी के आंतरिक चर्चाओं में तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई का नाम एक बार फिर से सामने आया है. अन्नामलाई के समर्थक उन्हें राज्य में महत्वपूर्ण संगठनात्मक भूमिका देने पर जोर दे रहे हैं. सूबे में चल रही गतिविधियों के बीच पार्टी नेताओं ने संकेत दिया कि नेतृत्व में बदलाव पर विचार-विमर्श जारी है.

एमएलसी चुनाव की तस्वीर साफ

पटना. बिहार में विधान परिषद को नौ सीटों पर चुनाव होने वाला है. इसके अलावा एक सीट पर उपचुनाव होगा, जो नीतीश कुमार के इस्तीफे से खाली हुई है. वह सीट जनता दल यू के से खाली होगी. एमएलसी चुनाव में जाएगी. लेकिन बाकी नौ सीटों को लेकर भी तस्वीर साफ हो गई है. नौ में से एक सीट विपक्षी गठबंधन को मिलेगी, जो राजद के खाली में जाएगी. बची हुई आठ सीटों में से दो सीटें तय हैं. एक सीट उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश को मिलेगी, जिनको मंत्री बनाया गया और दूसरी सीट लोक जनशक्ति पार्टी के खाली में जाएगी. इसके बाद बची हुई छह में से

निष्ठावान कार्यकर्ताओं की एकजुटता बड़ी चुनौती

वहीं, पिछले कुछ वर्षों में कराड दक्षिण कांग्रेस में अंदरूनी मतभेद और टूट-फूट की भी चर्चा रही है. कई स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग राजनीतिक रास्ते चुन लिए हैं, जिससे क्षेत्र में कांग्रेस की संगठनात्मक ताकत कमजोर हुई है. ऐसे में पृथ्वीराज चव्हाण के सामने अपने वचे हुए निष्ठावान कार्यकर्ताओं को एकजुट बनाए रखने हुए राजनीतिक फैसला लेने की बड़ी चुनौती है. अब सबकी नजर इस बात पर है कि नामांकन वापसी की अंतिम तारीख तक वे क्या रुख अपनाते हैं और अपने समर्थकों को क्या संदेश देते हैं.

विशेष 3राहुल-खरगे सुलझाएंगे कर्नाटक का कलह!

सिद्धारमैया की दिल्ली एंट्री या डीके का बड़ेगा इंतजार?

नई दिल्ली. कर्नाटक कांग्रेस में चल रही अंदरूनी कलह शांत नहीं हो रही है. इसी गतिरोध सुलझाने के लिए पार्टी आलाकमान जल्द बड़ा फैसला ले सकती है. ऐसी माना जा रहा है कि इस महीने के खत्म होने से पहले कांग्रेस कर्नाटक से जुड़े सभी मामलों को सुलझा लेगी. इस गतिरोध को सुलझाने के लिए जल्द ही सीएम सिद्धारमैया के साथ डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को भी दिल्ली बुलाया जा सकता है. कांग्रेस पार्टी के पास फिलहाल कर्नाटक के मसले को सुलझाने के तीन विकल्प मौजूद हैं. कांग्रेस के पास पहला विकल्प यह है कि सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री के तौर पर



काम जारी रखने दिया जाए और साथ ही उनको लंबे समय से अटक के कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार को आगे बढ़ाने की अनुमति दी जाए. कांग्रेस के इस कदम से सरकार और पार्टी के भीतर सिद्धारमैया की स्थिति और मजबूत

होगी. इसका यह भी मतलब होगा कि डी.के. शिवकुमार को शीर्ष पर पहुंचने के लिए लिए और लंबा इंतजार करना पड़ सकता है. ऐसी स्थिति में, कांग्रेस को डी.के. शिवकुमार को मनाना होगा, जिसके लिए उनके कैबिनेट विभागों को और मजबूत किया जा सकता है. इसके साथ ही शिवकुमार के भाई और करीबी सहयोगियों को बड़ी भूमिकाएं दी जा सकती हैं. कांग्रेस के पास दूसरा विकल्प भी है, जिस पर चर्चा हो रही है कि सिद्धारमैया के लिए संभावित राष्ट्रीय भूमिका. कांग्रेस नेतृत्व उनको राज्यसभा में विपक्ष के नेता का पद देकर दिल्ली भेजने पर विचार कर सकता है.

सिद्धारमैया को मनाए कांग्रेस नेतृत्व

अब अगर पिछले दो विकल्प नहीं काम करते हैं तो आलाकमान के सामने तीसरा विकल्प यह है कि सिद्धारमैया को पद छोड़ने के लिए मनाया जाए. जिससे लंबे समय से चले आ रहे पावर शेयरिंग के वादे के अनुरूप डी.के. के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हो. वहीं, सिद्धारमैया ने भी सर्वजनिक रूप से यह कहा है कि कांग्रेस आलाकमान जो भी फैसला लेगा, वह उसका पालन करेंगे. मीडिया में चल रही खबरों के अनुसार, कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद को लेकर अगले दो-तीन दिन में फैसला संभव है.